तापमान

अधिकतम 32.2 डिग्री

न्यूनतम 24.6 डिग्री

हरिभूमि

महासमुंद भूमि

रायपुर, शनिवार 24 अक्टूबर 2026

सरायपाली | बसना | पिथौरा | बागबाहरा | तुमगांव | खरियार रोड

खबर संक्षेप

उधार की रकम को लेकर मारपीट

महासमुंद। ग्राम लिमगांव में उधार की रकम को लेकर एक व्यक्ति के साथ मारपीट की हुई घटना में आरोपी के विरूद्ध सरायपाली थाने में अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस को लिमगांव के मदन चौहान ने बताया कि गांव के मनोज श्रीवास से उसके पुत्र अमरनाथ चौहान ने 200 रुपए उधार लिया था। 22 अक्टूबर को उधार का पैसा मांगने उसके घर के आंगन में दोपहर करीबन 02.30 बजे मनोज श्रीवास आया और उधार का पैसा वापस मांगने लगा। इस पर उसने कहा कि मेरा पुत्र सरायपाली गया है, वापस आएगा तो पैसे को दिलवा दूंगा। इस पर आवेश में आकर मनोज गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का एवं डंडे से मारपीट करने लगा। मारपीट करने से सिर में, बांये हाथ में चोट लगी। आरोपी के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

नारियल फेंक कर मारा युवक का दांत टूटा

महासमुंद। दुर्गा विसर्जन के दौरान एक युवक पर नारियल फेंककर मारने और गाली गलौज करने के मामले में दो लोगों के विरूद्ध सिटी कोतवाली में अपराध दर्ज किया गया है। वार्ड वार्ड नं 27 कौशिक कॉलोनी निवासी सौभाग्य यदु 21 अक्टूबर की रात करीबन 11 बजे अंबेडकर चौक का माता विसर्जन करने के लिए महामाया तालाब जा रहा था, तभी रितु यादव महामाया पारा ने मुझ पर माता आई है कहकर जान बूझकर उसके ऊपर नारियल फेंक कर मारा, जिससे नीचे का एक दांत टूट गया।

बोकरामुड़ाखुर्द में तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बागबाहरा

क्षेत्र के वन बहुल ग्राम बोकरामुड़ा खुर्द के मड़िया पारा में पिछले कुछ दिनों से तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार, तेंदुआ कभी घर की चारदीवारी तो कभी प्राथमिक शाला के टिन शेड के ऊपर दिखाई दे रहा है। इससे ग्रामीणों को खेतों की ओर जाने में भी परेशानी हो रही है। वन विभाग को इसकी जानकारी है और विभागीय कर्मचारी क्षेत्र में गश्त कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। हालांकि, अब तक किसी प्रकार की जनहानि की खबर नहीं है।

ग्रामीणों के अनुसार, तीन दिन पहले रात में तेंदुआ रुसो नेताम के घर की चारदीवारी में बैठा दिखाई दिया था। लोगों ने हल्ला कर उसे वहां से भगाया। इसके बाद बुधवार शाम को घर से कुछ दूरी पर स्थित प्राथमिक शाला के टिन शेड के ऊपर फिर से तेंदुआ दिखाई दिया। रुसो नेताम के मुताबिक, टिन शेड के पास नीचे भी एक तेंदुआ बैठा हुआ था। ग्रामीणों ने शोर मचाकर उन्हें भगाया।



रुसो नेताम ने बताया कि करीब एक महीने से तेंदुए को आसपास के जंगल में देखा जा रहा था, लेकिन अब उसकी आवाजाही बस्ती तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि पारा के तीन-चार कुत्ते भी गायब हो गए हैं। आशंका है कि तेंदुए ने उनका शिकार किया होगा। ग्रामीणों को अब अपनी बकरियों की सुरक्षा की चिंता सता रही है। तेंदुए की मौजूदगी के कारण लोग खेतों की ओर जाने में भी असहज महसूस कर रहे हैं।

इस संबंध में रेंजर नवीन वर्मा ने बताया कि क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी वन विभाग के संज्ञान में है। वनकर्मी लगातार गश्त कर रहे हैं और ग्रामीणों को सतर्कता बरतने की समझाइश दी जा रही है। विशेष रूप से रात के समय सावधानी रखने और अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई है।

क्षेत्र में दो तेंदुए दिखाई देने की चर्चा पर रेंजर ने कहा कि फिलहाल वन विभाग के पास एक तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि है। हालांकि, दूसरे तेंदुए की मौजूदगी से जुड़ी सूचना को भी गंभीरता से लेते हुए जांच की जा रही है।

गुस्सा : बीज उत्पादन कराने के बाद भुगतान नहीं करने से आक्रोश

कावेरी सीड्स कंपनी के खिलाफ किसानों ने किया चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

कावेरी सीड्स कंपनी द्वारा बीज उत्पादन कराने के बाद किसानों और मजदूरों को भुगतान नहीं किए जाने के विरोध में शुक्रवार को किसानों ने बेलसोंडा में चक्काजाम कर दिया। भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में किसान कंपनी के रायपुर स्थित कार्यालय का घेराव करने जा रहे थे, लेकिन प्रशासन ने उन्हें बेलसोंडा में ही रोक लिया। इसके बाद किसानों ने नेशनल हाईवे पर प्रदर्शन किया। सुबह 11 बजे शुरू हुआ चक्काजाम शाम 5 बजे प्रशासन के लिखित आश्वासन के बाद समाप्त हुआ।

⏭शेष पेज 10 पर





कंपनी पर आर्थिक शोषण का आरोप

तेजराम विद्रोही ने आरोप लगाया कि कंपनी ने बीज उत्पादन कार्य के लिए रखे गए स्थानीय मुंशियों का भी छह महीने का भुगतान रोक दिया था। बाद में समझौते के तहत छह मुंशियों को तीन महीने के भुगतान के रूप में कुल 1 लाख 80 हजार रुपये दिए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि मुंशियों के माध्यम से काम करने वाले मजदूरों और बीज उत्पादन करने वाले किसानों का भुगतान अब तक क्यों नहीं किया गया। उन्होंने कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय आंदोलनकारी किसानों को रोकने पर भी सवाल उठाए और इसे किसानों के अधिकारों के खिलाफ बताया। चक्काजाम के दौरान केवल स्कूल बसों और एंबुलेंस को आने-जाने दिया गया। प्रशासन की ओर से लिखित आश्वासन मिलने के बाद किसानों ने आंदोलन समाप्त हुआ।





गुरुकुल आमसेना में युवा चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन

महासमुंद। आर्य वीर दल ओड़ीसा द्वारा गुरुकुल आश्रम आम सेना के पुण्य भूमि में गुरुकुल आम सेना के संस्थापक स्वामी धर्मानंद सरस्वती के देखरेख में एवं आर्य प्रतिनिधि सभा ओडिशा की पावन उपस्थिति में दशहरा अवकाश पर 20 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक युवा चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन किया गया है दिल्ली से पधारे हुए आचार्य वीरेंद्र कुमार एवं न्यूजीलैंड आर्य समाज के अध्यक्ष द्वारा शिविर का उद्घाटन किया गया। शिविर में ओडिशा, छत्तीसगढ़ से 275 आर्यवीर एवं गुरुकुल आमसेना के 225 ब्रह्मचारी कुल 500 ब्रह्मचारियों का प्रशिक्षण चल रहा है। इस अवसर पर गुरुकुल के आचार्य स्वामी व्रतानंद जी सरस्वती, डां कुंजदेव आर्य, आचार्य कोमल, आचार्य प्रवीण एवं प्रशिक्षण के लिए मध्य प्रदेश उज्जैन से भैरव सिंह आर्य संचालक मध्य प्रदेश एवं गोपी लाल आर्य शिक्षक छत्तीसगढ़ प्रदान कर रहे हैं



खबर संक्षेप



जिले में पांच स्थानों पर आयोजित हुई कृषक चौपाल एवं संगोष्ठी

महासमुंद। किसानों को रासायनिक उर्वरकों के सीमित एवं संतुलित उपयोग के प्रति जागरूक करने तथा प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने जिले में खेत बचाओ अभियान के तहत आज पांच स्थानों पर कृषक चौपाल एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विकासखंड महासमुंद के पिटियाझर, बागबाहरा के खल्लारी, बसना के अंकोरी, पिथौरा के किशनपुर तथा सरायपाली के केना ग्राम पंचायत एवं सहकारी समितियों में आयोजित इन कार्यक्रमों में किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई।

पेज 9 का शेष

कावेरी सीड्स कंपनी...

चक्काजाम के कारण सैकड़ों लोग जाम में फंसे रहे। यातायात प्रभावित होने से कई बसों और अन्य वाहनों को बिरकोनी मार्ग से आवाजाही करनी पड़ी। इससे यात्रियों और जरूरी काम से रायपुर जाने वाले लोगों को परेशानी हुई।

176 किसानों का 4.62 करोड़ रुपए बकाया: जिला पंचायत सदस्य एवं किसान नेता जागेश्वर जुगनू चंद्राकर ने बताया कि कावेरी सीड्स कंपनी लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय प्रबंधक राजकुमार रेड्डी के मार्गदर्शन में रबी सीजन 2024-25 के दौरान किसानों की जमीन लीज पर लेकर बीज उत्पादन कराया था। इसके बावजूद किसानों और मजदूरों को अब तक भुगतान नहीं किया गया है। उनके अनुसार, छत्तीसगढ़ के सात जिलों के 176 किसानों का कुल 4 करोड़ 62 लाख 29 हजार 866 रुपये बकाया है। इनमें महासमुंद जिले के 85 किसान शामिल हैं। इसके अलावा मजदूरों की 7 लाख 89 हजार 500 रुपये की मजदूरी भी लंबित है। इस तरह किसानों और मजदूरों की कुल मूल बकाया राशि 4 करोड़ 70 लाख 19 हजार 366 रुपये है।

जिले में सड़क विकास को मिली नई गति, 204 करोड़ रुपए से अधिक के 6 निर्माण कार्य प्रगति पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में जिले में सड़क अधोसंरचना को मजबूत और आवागमन को सुगम बनाने महासमुंद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क निर्माण, चौड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं उन्नयन के कई महत्वपूर्ण कार्यों को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन कार्यों से जिला मुख्यालय को विभिन्न विकासखंडों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से जोड़ने, अंतरराज्यीय संपर्क को बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को सुविधाजनक यातायात उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। महत्वपूर्ण 06 निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसकी लागत 204 करोड़ से अधिक है। इनमें से अधिकांश कार्य प्रगति पर है।

लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता नीता रामटेके ने बताया कि महासमुंद विकासखंड अंतर्गत महासमुंद-तुमगांव-अछोला मार्ग के 9.65 किलोमीटर हिस्से के लिए 27.18 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में इस मार्ग के टू-लेन चौड़ीकरण का कार्य प्रगति पर है। जिला मुख्यालय के लिए यह मार्ग पिथौरा, बसना एवं सरायपाली विकासखंड मुख्यालयों को जोड़ता है। सड़क चौड़ीकरण पूरा होने से स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों सहित जिला मुख्यालय आने-जाने वाले नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही बरोंडा चौक महासमुंद से बम्हनी मार्ग के 2.30 किलोमीटर हिस्से के फोरलेन चौड़ीकरण के लिए 18.29 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। वर्तमान में कार्य प्रगति पर है। यह मार्ग महासमुंद शहर के लिए महत्वपूर्ण है। इसके निर्माण से कलेक्ट्रेट, जिला न्यायालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय और जिला पंचायत कार्यालय सहित विभिन्न शासकीय कार्यालयों तक पहुंचने में नागरिकों को सुविधा होगी तथा शहरी यातायात को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

बसना विकासखंड अंतर्गत सांकरा-परसवानी मार्ग के 15.80 किलोमीटर



निर्माण कार्य के लिए 28.47 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में निर्माण कार्य प्रगति पर है। यह मुख्य जिला मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग-53 से जिला मुख्यालय महासमुंद तथा ओडिशा राज्य को जोड़ने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सड़क निर्माण से आसपास के लगभग 20 गांवों के नागरिकों को आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

सरायपाली विकासखंड अंतर्गत पदमपुर-सरायपाली-सरसीवां मार्ग के 14.60 किलोमीटर हिस्से के चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य के लिए 24.48 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में कार्य प्रगति पर है। ओडिशा राज्य को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग के उन्नयन से किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और अन्य नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों और संपर्क व्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा।

बसना-भंवरपुर-सागरपाली मार्ग के 17.60 किलोमीटर हिस्से के चौड़ीकरण एवं उन्नयन के लिए 31.69 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। यह महत्वपूर्ण मुख्य जिला मार्ग विकासखंड मुख्यालयों को जोड़ने के साथ लगभग 25 गांवों के नागरिकों के लिए सुगम यातायात का माध्यम बनेगा। सड़क उन्नयन से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी और लोगों को दैनिक कार्यों, शिक्षा तथा कृषि संबंधी गतिविधियों के लिए आने-जाने में सहूलियत मिलेगी। वर्तमान में कार्य प्रगति पर है।

बागबाहरा विकासखंड अंतर्गत बिहाझर-गांजर-रेवा मार्ग के 25.90 किलोमीटर हिस्से के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 74.15 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस कार्य के लिए स्वीकृति पत्र जारी किया जा चुका है। यह महत्वपूर्ण मुख्य जिला मार्ग ओडिशा राज्य से संपर्क स्थापित करता है। मार्ग के निर्माण एवं उन्नयन से प्रसिद्ध धार्मिक एवं तीर्थ स्थल नरसिंहनाथ तक पहुंचने की दूरी कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा लगभग 45 गांवों के नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। विद्यार्थियों, किसानों और आम नागरिकों के लिए यह सड़क क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

रोजगार के अभाव में भटक रहे महासमुंद जिले के 58 हजार से अधिक युवा: आलोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

कांग्रेस के प्रदेश संयुक्त महासचिव एवं जीव जंतु कल्याण बोर्ड छत्तीसगढ़ शासन के उपाध्यक्ष आलोक चंद्राकर ने प्रदेश की साय सरकार पर युवाओं के साथ छल करने का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल हो गई है। चंद्राकर ने कहा कि जिला रोजगार कार्यालय के दस्तावेज ही सरकार के दावों की पोल खोल रहे हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जिले में पंजीकृत बेरोजगारों की कुल संख्या 58 हजार से अधिक है, जिसमें अकेले शिक्षित बेरोजगार स्नातक/ स्नातकोत्तर लगभग 25,000 और तकनीकी डिग्रीधारी लगभग 12,000 युवा शामिल हैं।

भाजपा ने सरकार बनने के दो साल के भीतर एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती का वादा किया था, लेकिन तीन साल होने को हैं, वादा जुमला साबित हुआ है। छत्तीसगढ़ में आज भी 1 लाख 10 हजार से अधिक शासकीय पद रिक्त पड़े हैं, जबकि पंजीकृत युवाओं को उचित अवसर नहीं मिल पा रहा है। चंद्राकर



■ महासमुंद जिले में हजारों युवा बेरोजगार, सरकारी दावे खोखले

ने कहा कि यही हाल पूरे प्रदेश का है। सरकार कह रही है कि बस्तर नक्सल मुक्त हो गया है, लेकिन बस्तर संभाग के लगभग 2 लाख आदिवासी युवा डिग्री लेकर बेरोजगार घूम रहे हैं। ये वही युवा हैं जिन्होंने नक्सली आतंक के बीच साहस दिखाकर शिक्षा पूरी की, आज रोजगार के अभाव में उन्हें गांव-घर छोड़कर पलायन करना पड़ रहा है।

रोजगार मेलों को दिखावा बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा समय-समय पर आयोजित रोजगार मेलों में वेतन बहुत कम होता है या फिर निजी कंपनियां कुछ दिनों बाद युवाओं को हटा देती हैं। 10 से 12 हजार की तनख्वाह पर 14-14 घंटे काम कराने के लिए अनुबंधित किया जा रहा है, जिसमें युवा रुचि नहीं ले रहे। कई युवा बताते हैं कि जिले में औद्योगिक विकास की गति धीमी है और स्थानीय स्तर पर नए उद्योग नहीं होने से उन्हें बड़े शहरों का रुख करना पड़ रहा है। कौशल विकास योजनाओं के तहत प्रशिक्षण लेने के बाद भी बैंकों से ऋण न मिलने से वे अपना खुद का छोटा व्यवसाय भी शुरू नहीं कर पा रहे। चंद्राकर ने कहा कि यह स्थिति दर्शाती है कि जिले में केवल मजदूर वर्ग ही नहीं, बल्कि उच्च शिक्षित वर्ग भी बेरोजगारी की मार झेल रहा है। यदि जल्द ही ठोस अवसर पैदा नहीं किए गए तो युवाओं में हताशा बढ़ेगी। सरकार तत्काल रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया तेज करे।



भाषा दिल से निकल कर दिल तक पहुंचती है: अनुसुइया

महासमुंद। संपर्क भाषा हिंदी: चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में डॉ अनुसुइया अग्रवाल, प्राचार्य स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय महासमुंद विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं। यह संगोष्ठी 16 अक्टूबर को शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलौदाबाजार के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित थी। मुख्य अतिथि प्रतिनिधि एम.एस. पाध्ये, सदस्य जनभागीदारी समिति ने संगोष्ठी के आयोजन की सराहना करते हुए हिंदी विभाग एवं महाविद्यालय परिवार को बधाई दी। उन्होंने महाविद्यालय की निरंतर प्रगति की कामना की। विशेष अतिथि के रूप में बोलते हुए डॉ अनुसुइया ने कहा कि हिंदी भाषा वैज्ञानिक और समृद्ध भाषा है। हिंदी जैसी लिखी जाती है, ठीक वैसी ही बोली जाती है।

॥ श्री श्री श्री रणेश्वर रामचण्डी चरणे शरणम् ॥




मा. श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी, पूर्व शिक्षा मंत्री, भारत सरकार
मा. श्री रामविचार नेताम जी, प्रभारी मंत्री, महासमुन्द
मा. श्रीमती रूपकुमारी चौधरी जी, सांसद, महासमुन्द
डॉ. संपत अग्रवाल जी, विधायक, बसना
मा. श्री पुरंदर मिश्रा जी, विधायक, रायपुर उत्तर
मा. श्री लीलेश्वर सिन्हा जी, विधायक, महासमुन्द
मा. श्री इकबाल खान जी, विधायक, खल्लारी
मा. श्रीमती चांदनी भगत जी, विधायक, सरायपाली
मा. श्री राजा देवेन्द्र बहादुर सिंह जी, पूर्व विधायक, बसना

श्री श्री श्री रणेश्वर रामचण्डी दिवस के पावन अवसर पर
छत्तीसगढ़ शासन के
माननीय मुख्यमंत्री
श्री विष्णुदेव साय जी
एवं पधार रहे समस्त अतिथिगणों का
हार्दिक स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन।


मान. श्री विष्णुदेव साय जी
मुख्यमंत्री, छ.ग.शासन


मान. श्री मयामणी बढ़ाई जी
महामंत्री
बाबा बिसाशहे कुल कोलता समाज रायपुर

मान. श्री गिरधारी साहू जी
अध्यक्ष
बाबा बिसाशहे कुल कोलता समाज रायपुर


संरक्षक
श्री हरिचरण प्रधान जी


संरक्षक
श्री व्यासदेव भोई जी


उपाध्यक्ष
श्री प्रवीण कुमार भोई जी


उपाध्यक्ष
श्री मुरलीधर प्रधान जी


उपाध्यक्ष
श्री चित्रसेन प्रधान जी


सचिव
श्री मोहन लाल साहू जी


सचिव
श्री ललित कुमार साहू जी


सचिव
श्री रंकमणी प्रधान जी


कोषाध्यक्ष
श्री विश्वम्भर प्रधान जी


सदस्य
श्री किशोर कुमार भोई जी


सदस्य
श्रीमती रश्मि साहू जी


सभापति ठाकुरपाली
श्री चन्द्रकांत भोई


आंचलिक अध्यक्ष, बसना
श्री भोजराज प्रधान जी


आंचलिक अध्यक्ष, रायपुर
श्री राधेश्याम प्रधान जी


आंचलिक अध्यक्ष, सरायपाली
श्री प्रदीप साहू जी


आंचलिक अध्यक्ष, पिथौरा
श्री सदानंद भोई जी


सभापति
श्री सत्यानंद प्रधान जी

विनीत- बाबा बिशासहे कुल कोलता समाज रायपुर छत्तीसगढ़

खबर संक्षेप



मन जागृति अभियान का हुआ समापन

महासमुंद। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय की डिस्ट्रिक्ट मेंटल हेल्थ प्रोग्राम (डीएमएचपी) टीम द्वारा संचालित सप्ताह भर चलने वाले मन जागृति अभियान (10 से 16 अक्टूबर) का समापन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में एक वृहद कार्यशाला के साथ हुआ। यह आयोजन सीएमएचओ डॉ. रामकेश्वर सिंह कुशवाहा, संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. बसंत महेश्वरी के निर्देशन तथा जिला नोडल अधिकारी डॉ. छत्रपाल चंद्राकर एवं डीपीएम नीलू घृतलहरे, डॉ चंद्रकांत ध्रुव, जेआर के कुशल मार्गदर्शन में हुआ। कार्यशाला में मानसिक अस्वस्थता को लेकर समाज में व्याप्त रूढ़िवादी भ्रांतियों व अंधविश्वास को दूर कर इसे एक सामान्य चिकित्सकीय स्थिति बताया गया। राष्ट्रीय थीम के अनुरूप, लोगों ने मानसिक तनाव से उबरने के अपने वास्तविक अनुभव साझा किए। अभियान को सफल बनाने व सक्रिय सहभागिता के लिए चिकित्सा महाविद्यालय के एमबीबीएस छात्रों (अंकुश यादव, हर्षिता धुर्मुख, भूपेंद्र साहू, एकता मंडावी और विकास शर्मा) को लंच बॉक्स प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में रामगोपाल खूंटे, टिकेश्वरी गोस्वामी, खोमन लाल साहू, जागृति साहू स्टाफ नर्स, देव कुमार डडसेना और टेकलाल नायक ने सक्रिय योगदान दिया।

101 वर्षों से जीवंत है लाफिनकला में रामलीला परंपरा, बालिकाओं ने निभाई अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिला मुख्यालय से 8 किमी दूर ग्राम लाफिनकला में 101 साल पुरानी रामलीला की परंपरा आज भी जीवंत है। बदलते दौर और मनोरंजन के आधुनिक साधनों के बीच गांव के युवा हर साल दशहरा पर रामलीला का मंचन कर सांस्कृतिक विरासत को सहेज रहे हैं। इस बार आयोजन बाल समाज के युवाओं ने किया, जिसमें बालिकाओं की भागीदारी विशेष आकर्षण रही।





लीला मंडली के सचिव रामजी साहू ने बताया कि समय के साथ पात्र जुटाना कठिन हो गया है, फिर भी परंपरा को टूटने नहीं दिया जा रहा। पहले गांव में 3 से 9 दिनों तक रामलीला-कृष्णलीला के साथ श्रवण कुमार, राजा हरिश्चंद्र, मोरध्वज, चरणदास चोर, मयारू भौजी, सती नाग चंपा जैसे नाटकों का मंचन होता था। बुजुर्ग बताते हैं कि तब मनोरंजन के साधन कम थे, लोग रातभर लीला देखते थे और इससे धर्म, सत्य, त्याग व कर्तव्य की शिक्षा मिलती थी। इस वर्ष पुरुष पात्रों की कमी के कारण बालिकाओं को भी शामिल किया गया, जिन्होंने उत्साह से विभिन्न भूमिकाएं निभाकर आयोजन को सफल बनाया। यह गांव की बदलती सोच का भी प्रतीक बना। इस परंपरा की नींव स्व. सियाराम साहू, स्व. जीवन साहू, स्व.जगदेव साहू, स्व. उत्तम साहू, स्व. ओनूराम साहू, लीलाराम साहू व सुखेंद पटेल ने रखी थी। बाद में जगदीश साहू, सुकदेव साहू, अनूप राम साहू व मंगतू साहू ने इसे आगे बढ़ाया। इस वर्ष आयोजन में रामजी साहू, हरिराम साहू, गोवर्धन साहू, महेंद्र पटेल, जनक राम साहू, संतराम साहू, पंचराम साहू, टीका पटेल, नेतन पटेल, भानू साहू, अनिल साहू, विजय साहू, पुरानिक साहू सहित अन्य युवाओं का विशेष सहयोग रहा। लाफिनकला की रामलीला अब केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि गांव की सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है।

आमगांव में उत्साह के साथ आयोजित हुई कबड्डी प्रतियोगिता, विधायक द्वारिकाधीश हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

ग्राम आमगांव में जय साहडा देव कबड्डी दल द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता को देखने बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं कबड्डी प्रेमी उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक द्वारिकाधीश यादव ने कहा कि कबड्डी हमारी पारंपरिक खेल संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे खेल युवाओं को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, साहस, आत्मविश्वास, टीम भावना और आपसी तालमेल विकसित करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने और अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर प्रदान करता है। विधायक यादव ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच, प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध कराने की है। इस प्रकार के आयोजन युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करते हैं तथा गांवों में आपसी भाईचारे, एकता और सामाजिक सहभागिता को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। मैदान में खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखकर दर्शकों ने तालियों के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। आयोजन ने ग्रामीण क्षेत्र में खेलों के प्रति उत्साह और पारंपरिक खेल संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया।



इस अवसर पर दानवीर शर्मा, गणेश शर्मा, गिरीश पटेल, मयंक शर्मा, पुनीत नेताम, वीरेंद्र दुबे, भानु पटेल, पालेश साहू, दिनेश पटेल, श्यामलाल निषाद, राकेश साहू, ओमप्रकाश साहू, गोपाल चौधरी, नालंदा साहू एवं रामप्यारी साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

काली पूजन कार्यक्रम के संचालन के लिए समिति की हुई बैठक

महासमुंद। सार्वजानिक काली पूजा सिटी स्पोर्ट्स क्लब, बंग समिति एवं सार्वजनिक काली पूजा समिति महासमुंद की बैठक हुई। जिसमें काली पूजन कार्यक्रम के संचालन के लिए बंग समिति के तत्वावधान में सार्वजानिक काली पूजा समिति गठित की गई है। जिसके पदाधिकारियों में संरक्षक- मनोजकांत साहू, ऐतराम साहू, डॉ. एचएस गुरुदत्ता, जसबीर सिंह मक्कड़, शुभ वर्मा (सुड्डू), अध्यक्ष विजय पाल, उपाध्यक्ष डॉ. बिजन बागची, तापस मिस्त्री, शिवाजी बेनर्जी, राहुल चौधरी, आशीष बोस, गिरीश बोस, सुमीत घोष, राजा मोहतो, सचिव पंकज घोष, कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र बोस, महासचिव विशाल दास, सहसचिव सलिल, चौधरी, संस्थापक सदस्य अजय विश्वास, बरुन दास, मृत्युंजय बोस, संदीप घोष, समीर चौधरी, समीर समद्दार, सलाहकार विजय विश्वास, छाया राव, संजय घोष, डॉ संजीव कर्माकार, ज्योतिष चौधरी, राजेश लूनिया, विश्वजीत राय, अनिल पाल, विमल कुमार मिर्धा, संजय बोस, मनोज पाल, संचालक नीतेन्द्र बेनर्जी, लक्ष्मण खां, अभिजीत बोस, निर्मल विश्वास, उत्पल बोस, रोनी घोष, सुमीत बोस, जयेश विश्वास, अभिषेक घोष, दीपांशु घोष, रोमी विश्वास, संचालक नीतेंद्र बेनर्जी, लक्ष्मीकांत खां, संदीप चौधरी, सौरव पाल, सुब्रतो दास, रवि पाल शंकर पाल, गौतम पाल, अभिजीत बोस, निर्मल विश्वास, उत्पल बोस, रोनी घोष, सुमीत बोस, जयेश विश्वास, अभिषेक घोष, दीपांशु घोष, रोमी विश्वास एवं समस्त महिला बंग समिति एवं बंग समिति के सदस्य शामिल हैं। सार्वजानिक काली पूजा के 36वें वर्ष के कार्यक्रम के अनुसार 08 नवंबर रविवार रात्रि 8 बजे से मां काली पूजन कार्यक्रम, 09 नवंबर सोमवार दर्शनार्थ कार्यक्रम, 10 नवंबर मंगलवार को विसर्जन कार्यक्रम संध्या 5 बजे से होगा।

भाजपा शहर मंडल के महामाया शक्ति केंद्र की मासिक बैठक में कार्ययोजना पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

भाजपा शहर मंडल के अंतर्गत

- पार्टी की आगामी गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने पर की गई चर्चा

महामाया शक्ति केंद्र की मासिक बैठक मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिका की उपस्थिति में हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, बूथ स्तर पर पार्टी की कार्ययोजना तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिका ने संगठन की मजबूती के लिए शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित करने, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बनाए रखने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की संगठनात्मक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। सभी कार्यकर्ता आपसी समन्वय और सक्रियता के साथ संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाएं। बैठक में शक्ति केंद्र प्रभारी जनक लाल साहू, संयोजक राकेश श्रीवास्तव, सह-संयोजक हरीश देवांगन, बूथ अध्यक्ष जतिन रूपरेला, सूर्य प्रताप सिंह एवं प्रमोद साहू उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक सक्रिय बनाने तथा पार्टी की आगामी गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने पर चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक जिम्मेदारियों के निर्वहन का संकल्प लिया।



दीपावली पर खाद्य पदार्थों की सघन जांच जारी

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में दीपावली पर्व के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सघन जाँच एवं नमूना संकलन अभियान जारी है। अभिहित अधिकारी उमेश कुमार के मार्गदर्शन में जनवरी से सितंबर 2026 तक जिले में कुल 216 खाद्य नमूने संकलित किए गए, जिनमें 78 विधिक एवं 138 सर्विलेंस नमूने शामिल हैं। प्राप्त प्रयोगशाला जांच रिपोर्टों में 05 नमूने मिथ्याछाप, 02 अवमानक एवं 04 असुरक्षित पाए गए हैं। शेष 13 नमूनों की जांच रिपोर्ट अप्राप्त है। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता संबंधी मामलों में कुल 11 प्रकरण दायर किए गए हैं तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा 16 लाख 90 हजार 100 रुपए का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। अक्टूबर 2026 में अब तक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा कुल 26 खाद्य नमूने संकलित किए गए हैं, जिनमें 13 विधिक एवं 13 सर्विलेंस नमूने हैं। इनमें पनीर, दही, मिठाइयां, दुग्ध उत्पाद, खाद्य तेल एवं अन्य खाद्य पदार्थ शामिल हैं। नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा उसके अंतर्गत लागू नियमों एवं विनियमों के अनुसार नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

महतारी वंदन योजना के नाम पर महिलाओं से छल, पुराने हितग्राहियों के नाम कटने पर सरकार जवाब दे: डॉ. रश्मि

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार की महतारी वंदन योजना को लेकर कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री एवं महासमुंद विधानसभा की 2023 की कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. रश्मि चंद्राकर, पूर्व जिलाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी महासमुंद ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि आखिर महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों की संख्या लगभग 70 लाख से घटकर 68 लाख कैसे रह गई? यदि योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना है, तो नई पात्र महिलाओं को योजना से जोड़ने के लिए पोर्टल क्यों नहीं खोला जा रहा है? वहीं, पहले से योजना का लाभ ले रही महिलाओं के नाम किन कारणों से काटे जा रहे हैं?



डॉ. रश्मि चंद्राकर ने कहा कि महतारी वंदन योजना को महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और उन्हें आर्थिक संबल प्रदान करने वाली योजना के रूप में प्रस्तुत किया गया था। लेकिन योजना के क्रियान्वयन को लेकर सामने आ रहे सवालों का सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की घोषणा तभी सार्थक होगी, जब वास्तविक पात्र महिलाओं तक इसका लाभ पहुंचे और किसी भी पात्र महिला को अनावश्यक रूप से योजना से वंचित न होना पड़े।

डॉ. चंद्राकर ने सवाल किया कि जब समय के साथ पात्र महिलाओं की संख्या बढ़ने की संभावना है, तब हितग्राहियों की संख्या लगभग 70 लाख से घटकर 68 लाख कैसे हो गई? क्या सरकार ने इस संबंध में कोई विस्तृत सर्वेक्षण कराया है?

यदि पुराने हितग्राहियों के नाम हटाए गए हैं, तो उसके कारण क्या हैं? कितनी महिलाओं के नाम हटाए गए और कितनी महिलाओं को अब भी योजना का लाभ मिल रहा है? सरकार को इन सभी सवालों पर आंकड़ों सहित स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

आम सूचना

मेरे द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि, लक्षनी पति चेतन वगैरह, जाति निवासी ग्राम व पोस्ट घोडारी तहरील व जिला महासमुन्द छ.ग. की भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम घोडारी, प.ह.नं. 33, रा.नि.म.- तुमगांव, तहसील व जिला महासमुन्द छ.ग. स्थित भूमि खसरा नं. 20 रकबा 1.12 हेक्टेयर भूमि को मुझ क्रेता जनक लाल चेलक पिता श्री रतन चेलक निवासी ग्राम धनसुली, तहसील मंदिरहसौद जिला रायपुर छ.ग. को करने का सौदा भूमि स्वामी द्वारा निष्पादित कर ब्याना की राशि प्राप्त किया गया है, जिसके पश्चात उक्त भूमि का रजिस्ट्री बैनामा किया जाना है। अतः जिस किसी व्यक्ति, संस्था, फर्म कम्पनी अथवा विभागो को उक्त भूमि विक्रय का रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किये जाने के संबंध में आपत्ति दावा हो तो इस उद्घोषणा के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर मेरे पास आकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकते है। उक्त नियत समयावधि के पश्चात कोई भी आपत्ति दावा मान्य नही किया जावेगा। सो सूचना जाने।

जनक लाल चेलक
पता : निवासी : ग्राम - धनसुली, तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर
मो. 7049675413





खबर संक्षेप

सोहम हॉस्पिटल में कैंसर जांच व उपचार कल



महासमुंद। सोहम जन सेवा समिति के तत्वाधान में सोहम हॉस्पिटल में रविवार 25 अक्टूबर प्रातः 12 से 2 बजे तक मरीजों को कैंसर जांच पर परामर्श दिया जाएगा। इसके लिए डॉ अवधेश उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कैंसर के संभावित लक्षण वाले पीड़ित मरीज को लाल या सफेद छाले होना, मुंह का कम खुलना, स्तन में गांठ, बच्चेदानी के मार्ग से सफेद पानी का आना, पेट के निचले भाग में दर्द होना, पेशाब करने में परेशानी आदि है तो समय पर परामर्श ले कैंसर समय पर उपचार मिलने से पूरी तरह ठीक हो सकता है।

जिले में मतदाता जागरूकता अभियान

महासमुंद। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिले में अब विशेष अभियान के तहत 17 वर्ष से अधिक एवं 18 वर्ष तथा छूटे हुए मतदाताओं का नाम जोड़ने की कार्रवाई तेज गति से जारी है। महाविद्यालयों, मतदान केन्द्र एवं स्कूलों में जागरूकता अभियान के साथ बीएलओ द्वारा विशेष शिविर का आयोजन कर ऐसे पात्र मतदाताओं को फार्म-6 के माध्यम से नाम जोड़ने की कार्रवाई की जा रही है। आज दिनांक तक जिले में 8 लाख 476 मतदाता है, जबकि अभियान के तहत अभी तक 5600 नए और छूटे हुए मतदाता जोड़े गए हैं।
इसी क्रम में शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल बम्हनी में अयोजित शिविर में नए मतदाताओं के पंजीयन के लिए फॉर्म-6 तथा मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन के लिए फॉर्म-8 की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इस दौरान ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से 60 से अधिक छात्र-छात्राओं का पंजीयन किया गया तथा उन्हें मतदाता पंजीयन संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा विशेष शिविर एवं पंजीयन के माध्यम से फार्म-6 में नाम जोड़े जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार 28 एवं 29 अक्टूबर को विशेष शिविर सभी मतदान केंद्रों में लगाए जाएंगे। यहां पात्र नागरिक अपने नाम जुड़वा सकते हैं।

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि 31 तक बढ़ी

महासमुंद। दिव्यांगजन केंद्रीय छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अक्टूबर 2026 कर दी गई है। पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित थी। उप संचालक संगीता सिंह ने बताया कि योजना के अंतर्गत प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए कक्षा 9वीं एवं 10वीं तथा पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए कक्षा 11वीं एवं 12वीं में नियमित रूप से अध्ययनरत दिव्यांग छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। आवेदन नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किया जाना है। उन्होंने संबंधित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित संशोधित अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण कर लें।

रोष : डुमरपाली के ग्रामीणों में आक्रोश, अधिकारियों ने दिया आश्वासन

रोजगार सहायक के खिलाफ कार्रवाई नहीं, ग्रामीणों का जनपद में प्रदर्शन





हरिभूमि न्यूज ⏭ पिथौरा

ग्राम डुमरपाली के ग्रामीणों ने रोजगार सहायक प्रेमशीला प्रधान के खिलाफ की गई शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज होकर शुक्रवार को जनपद पंचायत कार्यालय पिथौरा में धरना-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि रोजगार सहायक के कार्यों को लेकर लंबे समय से शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन अब तक न तो जांच प्रतिवेदन की प्रति उपलब्ध कराई गई है और न ही संबंधित के विरुद्ध कोई ठोस विभागीय कार्रवाई की गई है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी व्याप्त है।

ग्रामीणों ने इस संबंध में पहले भी संबंधित अधिकारियों के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की थी। उनके अनुसार, शिकायत की जांच होने के बावजूद जांच प्रतिवेदन की प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई। कार्रवाई नहीं होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने 19 अक्टूबर 2026 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पिथौरा के नाम आवेदन प्रस्तुत कर 23 अक्टूबर को जनपद पंचायत परिसर में धरना-प्रदर्शन करने की अनुमति मांगी थी। इसी क्रम में ग्रामीणों ने शुक्रवार को जनपद कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। धरना-प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रोजगार सहायक के कार्यों को लेकर कई शिकायतें हैं। उनका कहना है कि कथित अनियमितताओं के कारण पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ समय पर नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में गड़बड़ी के कारण हितग्राहियों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों ने संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने तथा जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए, ताकि ग्रामीणों को अपने अधिकारों के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। ग्रामीणों के धरना-प्रदर्शन के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखीं। ग्रामीणों के अनुसार, अधिकारियों ने उनकी शिकायतों पर एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने अपनी मांगों पर उचित कार्रवाई होने की उम्मीद जताई। हालांकि, ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित एक सप्ताह के भीतर उनकी शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होती है, तो वे पुनः धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे।

दुर्गावाहिनी का शस्त्र पूजा-गरबा उत्सव भक्तिमय माहौल में झूमे श्रद्धालुजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरायपाली

दुर्गावाहिनी के तत्वावधान में सिमरन पैलेस में शस्त्र पूजा एवं गरबा उत्सव 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। धार्मिक आस्था, शक्ति उपासना और भारतीय संस्कृति के संगम से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। बड़ी संख्या में महिलाओं, युवतियों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को भव्यता प्रदान की।



कार्यक्रम में रामावतार हॉस्पिटल से डॉ. शैलेश अग्रवाल एवं डॉ. संजय अग्रवाल, सिमरन पैलेस से डॉ. विपिन गडरिया, आशीर्वाद ब्लड बैंक से सोनू पटेल, जुनून कैफे से पीयूष साहू, महाराज फोटो एंड वीडियोग्राफी से मयंक पाणिग्रही, वैदिक साउंड से शेषाचार्य महाराज तथा ग्राम पंचायत जोगनीपाली की सरपंच सस्मिता जयप्रकाश साहू अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। गरबा उत्सव के दौरान माता के जयकारों और पारंपरिक गरबा गीतों पर प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ नृत्य किया। आयोजन में श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक परंपराओं का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण गरबा क्वीन 2026 प्रतियोगिता रही, जिसमें ज्योति बाघ एवं दिव्या सेन विजेता रहीं। कार्यक्रम प्रभारी एवं जिला संयोजिका अनिता चौधरी, संचालन प्रभारी नमिता साहू, दुर्गावाहिनी जिला संयोजिका ललिता सिदार तथा प्रखंड संयोजिका विमला नंद की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्गावाहिनी की कार्यकर्ताओं खुशी पटेल, पूनम पटेल, पिंकी पटेल, मुस्कान गुप्ता एवं उमा पटेल ने आयोजन की व्यवस्थाओं में सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन राजू दास ने किया तथा सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी गुड्डू जायसवाल ने संभाली। बजरंग दल से प्रखंड ग्रामीण रोहित शर्मा, रूपेश सिदार, दुजे भट्ट, युवराज भोई, अविचल पाणिग्रही, रिंकल प्रधान एवं नोबी सुमित सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया। अंत में अनिता चौधरी ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन ने धार्मिक आस्था, नारी शक्ति, सामाजिक एकता और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। दुर्गावाहिनी का यह प्रयास पारंपरिक उत्सवों के माध्यम से समाज में सांस्कृतिक चेतना जागृत करने का प्रयास रहा।

सिरपुर को यूनेस्को की अस्थायी सूची में स्थान मिलना ऐतिहासिक उपलब्धिः रूपकुमारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

छत्तीसगढ़ की गौरवशाली ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर सिरपुर का यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल होने पर सांसद एवं भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी ने इसे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया और कहा कि सिरपुर को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इस महत्वपूर्ण विषय पर सकारात्मक पहल और सहयोग के लिए केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए सांसद चौधरी ने कहा है कि सांसद चौधरी ने कहा कि सिरपुर की ऐतिहासिक महत्ता को समझने, उसके संरक्षण की आवश्यकता को प्राथमिकता देने और उसे विश्व धरोहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में केंद्र सरकार का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

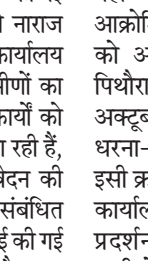

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 1 जनवरी 2026 को सिरपुर प्रवास के दौरान लगभग तीन से चार घंटे का समय देकर यहां के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थलों का स्वयं गहन निरीक्षण और अध्ययन किया था। उन्होंने लक्ष्मण देवालय, आनंदप्रभु कुटी विहार, तीवरदेव विहार, सुरंग टीला सहित विभिन्न स्थलों का अवलोकन कर इस क्षेत्र की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं स्थापत्य संबंधी विशेषताओं को समझा था। उन्होंने सिरपुर के संरक्षण, पर्यटन सुविधाओं के विकास और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयासों को आगे बढ़ाने पर भी जोर दिया था। सांसद चौधरी ने कहा कि किसी ऐतिहासिक धरोहर को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए उसके महत्व को समझना, उसके संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करना और संबंधित संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित करना आवश्यक होता है। केंद्रीय मंत्री द्वारा सिरपुर को दिया गया समय और इस विषय के प्रति दिखाई गई गंभीरता इस दिशा में महत्वपूर्ण है।

सांसद चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार, छत्तीसगढ़ सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, संबंधित विभागों, विशेषज्ञ संस्थानों और स्थानीय समुदायों के समन्वित प्रयासों से सिरपुर की विरासत को सुरक्षित रखते हुए पर्यटन की संभावनाओं को भी विकसित किया जा सकता है। इससे महासमुंद और छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और आजीविका के अवसर भी बढ़ेंगे।

अनुसूचित जनजाति का 32 प्रतिशत आरक्षण बरकरार रखने तत्काल न्यायिक पहल करे राज्य सरकार : मनोहर ठाकुर

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिथौरा

छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति

- उच्च न्यायालय के 14 अक्टूबर 2026 के फैसले के बाद आदिवासी युवाओं के हितों की रक्षा के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से प्रभावी कदम उठाने की मांग

वर्ग को दिए जा रहे 32 प्रतिशत आरक्षण से संबंधित विषय पर उच्च न्यायालय, बिलासपुर द्वारा दिनांक 14 अक्टूबर 2026 को पारित आदेश के संदर्भ में छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज ने चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से तत्काल आवश्यक पहल करने का आग्रह किया है।

माननीय उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति अमितेंद्र किशोर प्रसाद की एकल पीठ द्वारा पारित आदेश के संबंध में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 4 मई 2023 के शिक्षक भर्ती विज्ञापन एवं उसके आरक्षण रोस्टर को उस सीमा तक निरस्त किया गया है, जहां वर्ष 2012 की निरस्त हो चुकी अधिसूचना के आधार पर आरक्षण रोस्टर लागू किया गया था। उक्त अधिसूचना में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 32 प्रतिशत आरक्षण सहित कुल 58 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था।



इस घटनाक्रम के मद्देनजर छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश संयुक्त सचिव मनोहर ठाकुर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आग्रह किया है कि राज्य सरकार इस विषय का गंभीरतापूर्वक विधिक परीक्षण कराए और अनुसूचित जनजाति वर्ग को 32 प्रतिशत आरक्षण का लाभ बरकरार रखने के उद्देश्य से सभी उपलब्ध संवैधानिक एवं कानूनी विकल्पों पर विचार करे।

मनोहर ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति की आबादी लगभग 32 प्रतिशत है। ऐसे में आरक्षण से संबंधित किसी भी निर्णय का प्रभाव आदिवासी युवाओं के शैक्षणिक अवसरों, शासकीय सेवाओं में प्रतिनिधित्व और सामाजिक-आर्थिक विकास पर पड़ सकता है। इसलिए इस विषय पर सरकार को संवैधानिक प्रावधानों, विधिक प्रक्रियाओं और आवश्यक तथ्यात्मक आधारों के अनुरूप ठोस कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि राज्य सरकार सक्षम विधिक विशेषज्ञों से परामर्श लेकर माननीय उच्च न्यायालय के आदेश का विस्तृत परीक्षण कराए तथा परिस्थितियों के अनुसार अपील अथवा अन्य उपयुक्त न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत करे। साथ ही, अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 32 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आवश्यक विधायी एवं नीतिगत विकल्पों पर भी नियमानुसार विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज अपने संवैधानिक अधिकारों और युवाओं के भविष्य को लेकर गंभीर है। इस विषय पर समाज के प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर सरकार को आगे की रणनीति तैयार करनी चाहिए, ताकि आरक्षण से संबंधित मुद्दे का विधिसम्मत समाधान निकाला जा सके। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज की ओर से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से अपेक्षा की गई है कि वे इस महत्वपूर्ण विषय पर शीघ्र पहल करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देंगे और अनुसूचित जनजाति वर्ग के 32 प्रतिशत आरक्षण को बरकरार रखने के लिए उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर प्रभावी कदम उठाएंगे।

बिजनेस साईट

महालक्ष्मी अस्पताल में जटिल 'सर्वाइकल फाइब्रॉएड' का सफल ऑपरेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

महालक्ष्मी अस्पताल के संचालक प्रबंधन द्वारा बताया गया कि स्थानीय खरोरा महासमुंद स्थित महालक्ष्मी अस्पताल की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. इप्सिता प्रियदर्शिनी पति ने अपनी कुशल चिकित्सीय कार्यशैली और सूझबूझ से एक 41 वर्षीय महिला के गर्भाशय ग्रीवा से 12×12 सेंटीमीटर आकार की अत्यंत जटिल रसौली का सफल ऑपरेशन कर उसे नया जीवन दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 41 वर्षीय महिला पिछले एक वर्ष से अत्यधिक रक्तस्राव और पेट के असहनीय दर्द से त्रस्त थी। मरीज द्वारा बाहर से कराई गई



रेडियोलॉजिकल जांच रिपोर्ट में गर्भाशय की पिछली दीवार में 6×7 सेमी की गांठ बताई गई थी। मरीज की स्थिति और उम्र को ध्यान में रखते हुए डॉ. इप्सिता प्रियदर्शिनी पति द्वारा हिस्टेरेक्टॉमी (बच्चेदानी निकालने का ऑपरेशन) की योजना बनाई गई।

ऑपरेशन के दौरान सामने आया कि यह सामान्य गर्भाशय फाइब्रॉएड न होकर गर्भाशय के निचले संवेदनशील हिस्से का 'सर्वाइकल फाइब्रॉएड' था, जिसका वास्तविक आकार 12×12 सेमी था। मेडिकल साइंस में सर्वाइकल फाइब्रॉएड की सर्जरी को बेहद जोखिम भरा माना जाता है, क्योंकि इसमें मूत्र नलिकाओं और प्रमुख रक्त धमनियों को नुकसान पहुंचने तथा अत्यधिक रक्तस्राव का भारी खतरा रहता है। डॉ. इप्सिता प्रियदर्शिनी पति ने सभी संभावित जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए अत्यंत सावधानी और कुशलता के साथ सर्जरी को सफलतापूर्वक संपन्न किया और गांठ समेत गर्भाशय को सुरक्षित बाहर निकाला। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति पूरी तरह स्थिर व सामान्य है। लंबे समय से दर्द और ब्लीडिंग झेल रही महिला और उसके परिजनों ने सफल सर्जरी के बाद राहत की सांस ली और डॉ. इप्सिता प्रियदर्शिनी पति व अस्पताल प्रबंधन के प्रति आभार जताया।

बच्चों ने छुट्टी के पांच दिन मानव व्यवहार को समझने में बिताया

महासमुंद। मानव व्यवहार सूत्र कार्य शाला मानवीय शिक्षा शोध केंद्र तेंदूवाही में आयोजित कार्यशाला का संदेश 6 हजार से अधिक बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों तक पहुंचा। हालांकि प्रत्यक्ष कार्यशाला में कुल 260 से अधिक बच्चों ने सहभागिता की, मानवीय शिक्षा शोध केंद्र तेंदूवाही महासमुंद छत्तीसगढ़ के संचालक शिक्षक गेंदलाल कोकडिया के अनुसार जीवन विद्या अध्ययन आधारित मानव व्यवहार सूत्र कार्य शाला में दशहरा अवकाश के बावजूद 260 से अधिक बच्चों की उपस्थिति ने मानवीय शिक्षा शोध केंद्र तेंदूवाही को गौरवान्वित किया है। सबसे बड़ी बात इन बच्चों को ये भली-भांति ज्ञात था कि मानव व्यवहार सूत्र कार्य शाला की शत प्रतिशत सभी बातें व्यवहारिक हैं, जो हमारे निजी जिंदगी में काम आएंगी। इसका हमारे स्कूली, किताबी पढ़ाई और परीक्षा से कोई संबंध नहीं है, जो इस बात का प्रमाण है कि बच्चे, सच्चाई को समझना चाहते हैं, न्याय, धर्म, सत्य को जानना और जीना चाहते हैं, बच्चे जानते हैं कि व्यवहारिक शिक्षा, मानवीय मूल्यों की शिक्षा, के बगैर जीवन नर्क के समान बन जायेगा, इसीलिए जीवन विद्या अध्ययन जरुरी है, बच्चों ने इच्छा जताया है कि वो हर रविवार को आश्रम आएंगे, जीवन विद्या अध्ययन करने, कार्यशाला को सफल बनाने में राखी, रागेश्वर, तन्मय निर्मलकर, योगेश कुमार निर्मलकर प्रधान अध्यापक सलिहाभांटा सरकारी स्कूल, घनश्याम दीवान प्रधान अध्यापक मानपुर सरकारी स्कूल, शंकर खैरवार, खैरवारडेरा का महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तीन दिवसीय पीसीए स्काई टेस्ट श्रृंखला के फाइनल में पीसीए ग्लेडिएटर विजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिथौरा

स्थानीय मिनी स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय पीसीए स्काई टेस्ट श्रृंखला (अंडर-16 एवं अंडर-19) के फाइनल मुकाबले में पीसीए ग्लेडिएटर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पीसीए ब्लास्टर को 53 रनों से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के समापन पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सांसद प्रतिनिधि मनमीत छाबड़ा एवं पीसीए अध्यक्ष दुलीकेशन साहू ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि मनमीत छाबड़ा ने कहा कि खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करना बेहद आवश्यक है। खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती हैं तथा उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करती हैं। ऐसे आयोजनों से क्षेत्र की उभरती खेल



प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच मिलता है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए खिलाड़ियों को भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में पीसीए कोषाध्यक्ष दुर्गेश सोनी, कोच सुनील यादव, अविनाश मित्तल, राजेश रात्रे एवं विजय कौशिक सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में अंपायर विजय गौतम, असलम खान, विजय सिदार एवं डोलामणि डनसना का विशेष योगदान रहा।

फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए पीसीए ग्लेडिएटर ने पहली पारी में 233 रन बनाए। टीम की ओर से ओजस ने 42 और कुशांक गौतम ने 39 रनों का योगदान दिया। इसके जवाब में पीसीए ब्लास्टर की टीम 205 रन पर आउट हो गई। ब्लास्टर की ओर से हर्ष पटेल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 104 रनों की शतकीय पारी खेली। दूसरी पारी में पीसीए ग्लेडिएटर ने 156 रन बनाए। जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करने उतरी पीसीए ब्लास्टर की टीम 131 रन पर सिमट गई। इस तरह पीसीए ग्लेडिएटर ने 53 रनों से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। गेंदबाजी में पीसीए ग्लेडिएटर के राहुल पटेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट हासिल किए।

वहीं, शौर्य साहू ने चार और आयुष घोष ने तीन विकेट लेकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। इस तरह के आयोजन न केवल खिलाड़ियों के खेल कौशल को निखारते हैं, बल्कि क्षेत्र में क्रिकेट के विकास और नई खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

